चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..7..5..2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम....1-5.....

इम्युनिटी बढ़ाने को सब्जियों के साथ कद्दू के बीज, खरबूजे के बीज, दही, तुलसी का सेवन करें

महबूब अली | हिसार

कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि अस्पतालों में बेड तक खाली नहीं बचे हैं। कोरोना काल में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आहार प्रबंधन की अहम भूमिका होती है। एचएयू के इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी महामारी के समय आहार प्रबंधन द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है।

एचएयू के इंदिरा गांधी चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा और खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधू के अनुसार भोजन हमारे दैनिक जीवन का ऐसा अभिन्न अंग है कि हम अब इस पर ध्यान नहीं देते हैं। कोविड-19 महामारी ने सभी के जीवन को विराम दे दिया है और अपने भोजन की आदतों सहित स्वंय का आंकलन करने के लिए मजबूर कर दिया है। डॉ. उर्वशी नांदल ने संतुलित आहार के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। कोविड-19 महामारी में संतुलित आहार का प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में विशेष महत्व है।

एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग कोरोना से बचाव के लिए दे रहा टिप्स

डॉ. उर्वशी।

डॉ. बिमला ढांडा

बीआर कांबोज।

एचएयू के वैज्ञानिकों के अनुसार शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए यह करें

- दिन मे बार-2 अल्पाहार करें।
- आंतों में मौजूद बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए दही, छाछ, इडली, ढ़ोकला, पुए जैसे खाद्य पदार्थ भोजन में शामिल करें।
- रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने के लिए आसानी से उपलब्ध सुपर खाद्य पदार्थों को भोजन में सम्मिलित करें: जैसे पालक, नींबू, पपीता, मषरूम, टमाटर, मिर्च, आंवला, हल्दी, लहसुन, अदरक, काला जीरा, कद्दू के बीज, खरबूजे के बीज, दही, तुलसी, शहद आदि।

इम्यूनिटी बढ़ाने में डाइट भी अहम रोल निभाती है। एचएयू के गृह विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक कोरोना के समय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लोगों को टिप्स दे रहे हैं। लोगों को भी खानपान पर ध्यान देना होगा। - **डॉ. बीआर काम्बोज,** कुलपति, एचएयू।

जानिए...खाद्य समूहों में किन अनाज और दालों को शामिल करें

- अनाज जैसे चावल, गेंहू, मुरमुरे, जौ, जुआर, बाजरा, जई, रागी, मक्का।
- दलहन जैसे साबुत दाल -राजमा, सोयाबीन, साबुत उड़द, हरी मटर, मसूर, मोठ और मूंग छिलका दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, चना दाल।
- नट और तेल के बीज जैसे बादाम, अखरोट, काजू, पिस्ता, मुनक्का और तेल के बीज जैसे सफेद सरसों, मूंगफली, तिल, अजवाइन।
- सब्जियां जैसे हरी पत्तेदार सब्जीः पालक, धनिया, पोदीना, मेथी की पतियां, चैलाई, जड़ें और कंद जैसे आलू, गाजर, अर्बी।
- अन्य सब्जियांः लौकी, करेला, शिमला मिर्च, बैंगन, भिंडी, ब्रोकली।
- फल जैसे आम, सेब, बेर, अमरूद, केला, पपीता, खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू, आंवला। दुध और दुध से बने पदार्थ जैसे दुध, दही, पनीर, क्रीम (मलाई), छाछ, घी, मक्खन।

दिन में कई बार भोजन करें

- **नाश्ताः** दैनिक भोजन की आवश्यकता का 25 % नाश्ता प्रदान कर सकता है।
- **दोपहर का भोजनः** सभी खाद्य समूहों को सम्मिलित करके, भारी होना चाहिए।
- **रात का खानाः** हल्का होना चाहिए ताकि आसानी से पचाया जा सके।
- यदि घर के आस-पास थोड़ी बहुत खाली जगह हो तो उसमें किचन गार्डन द्वारा मौसमी कीटनाशक रहित सब्जी लगाए। इससे स्वास्थ्य भी सही रहेगा व बचत भी होगी। मौसम की उपलब्ध फल व सब्जी ही भोजन में खाएं।

विभिन्न खाद्य पदार्थों को मिला कर प्रयोग करें जैसे...

- गेहूं, मोठ, मूंग व काले चने को अंकुरित करके खाएं, खमीरीकरण द्वारा दुध की दही बनाकर तथा इडली, ढोकला आदि बनाएं।
- दाल-रोटी, खिचड़ी, पकी दाल और आटे को इकट्ठा गूंथ कर उसकी रोटी या परांठा, मिस्सी रोटी, इडली, डोसा, ढ़ोकला।
- दाल के परांठे में हरी पत्तेदार सब्जी मिलाकर, सब्जियों वाली खिचड़ी व दलिया, सब्जियों तथा अंकुरित चने, मूंग या मोठ से मिलाकर चाट बनाएं, सब्जी युक्त पोहा आदि।

2

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 6.5.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-5.....

मई में धान, कपास, टमाटर, मटर, भिंडी और घीया की फसल उगाकर आमदनी बढ़ा सकते हैं प्रदेश के किसान

महबूब अली, हिसार | मई में धान से लेकर कपास, टमाटर, भिंडी, घीया आदि की फसल उगाकर और उगाई फसल की उचित ढंग से देखरेख कर किसान आमदनी बढ़ा सकते है। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को मई में फसलों की देखरेख और बुवाई के टिप्स दे रहे हैं।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज और अन्य वैज्ञानिकों ने बताए ज्यादा उत्पादन के गुर

धान के लिए यह करें

भारी व स्वस्थ बीज के चुनाव के लिए 10 किलोग्राम बीज को 10 लीटर नमक के घोल (10 लीटर पानी में एक किलोग्राम नमक) में डुबोएं और हाथ से धीरे-धीरे चलाएं। हल्के रोगग्रस्त बीज तथा आभासी कंडुआ के पिंड ऊपर तैरने लगते हैं जिन्हें निकाल कर नष्ट कर दें और नीचे बैठे हुए भारी बीज को स्वच्छ पानी से 3-4 बार अच्छी तरह धो लें और इसके बाद फफूंदनाशक दवा के घोल से उपचारित करें। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 10 लीटर फफूंदनाशक घोल (10 ग्राम कार्बेन्डाजिम, एक ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व 10 लीटर पानी) में 10-12 किलोग्राम बीज को 24 घंटे भिगोकर उपचारित करके ही बिजाई करें। धान की नर्सरी उगाने के लिए 10-12 गाड़ी गोबर की खाद, 22 कि.ग्रा. यूरिया, 65 किग्रा. एसएसपी और 10 किग्रा. जिंक सल्फेट प्रति एकड़ डालें।

कपास के लिए यह करें

बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में तथा देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी जरूरी है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए।

इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताइयां करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गीली आल) का होना जरूरी है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गीले बत्तर में दो जुताइयां करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं।

टमाटर के लिए यह करें

नाइट्रोजन वाली खाद खड़ी फसल में दो बार दें-पहली पौधरोपण के लगभग 3 सप्ताह बाद व दोबारा पहली मात्रा के एक महीने बाद। हर बार 12.5 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (27 कि.ग्रा. यूरिया) प्रति एकड़ की दर से दें। खाद देने के बाद सिंचाई करना न भूलें। सामान्यतः गर्मी के दिनों में 6 से 7 दिनों के अंतर पर सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। रस चूसने वाले कीटों को मारने के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। इस छिड़काव से टमाटर के वायरस रोगों की रोकथाम भी हो जाएगी।

भिंडी के लिए यह करें

कीटों (हरा तेला और चित्तीदार सूण्डी) से बचाव के लिए 300-500 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 200-300 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। दवाई छिड़कने के बाद 8-10 दिन तक फल खाने के प्रयोग में न लें।

तरबूज व खरबूजा के लिए यह करें: चेपा, हरा तेला, माईट का प्रकोप होने पर 250 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें। आवश्यकता पडने पर फिर दोहराएं। यदि फलों में मक्खी का आक्रमण हो गया हो तो खराब फलों को तोड़कर नष्ट कर दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 8.5.2021...पृष्ठ संख्या...2...कॉलम...1-4...

ई-बुक्स की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है, क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय, बल्कि पैसे की भी बचत होती है ।

ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व मौजूद अन्य।

ई-डाटा बेस में दो लाख से अधिक ई-पुस्तकें मौजूद

कार्यशाला के शुभारंभ पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। इस डाटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......
दिनांक 8.5.2021 पृष्ठ संख्या......4......कॉलम......1-3......

'वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज'

नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

एच.ए.यू. की लाइब्रेरी द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

हिसार, 7 मई (पकेस): वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता ओर अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मु यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मु यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्त्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्यन एवं अध्यापन में अति महतवपूर्ण भूमिका निभाते है।

इससे पहले कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मु यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 8.5.2021.....पृष्ठ संख्या...2.....कॉलम.....1-3.....

ई-बुक्स अनुसंधान में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज

नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला

सिटी रिपोर्टर • वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है।

वर्तमान डिजिटल युग में हर इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मुख्यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने जानकारी दी। मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.भानु प्रताप ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 8.5.2021...पृष्ठ संख्या.....9.........कॉलम....2-5.........

डिजिटल युग

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में ऑनलाइन कार्यशाला

ई-बुक्स शिक्षा और अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

कोरोना काल में शिक्षा को लेकर मंथन, कुलपति कंबोज मुख्य अतिथि रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता ओर अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर बीआर काम्बोज ने कही। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने ई बुक्स के महत्व को रेखांकित किया।

लाइब्रेरी के ई-डाटा बेस में दो लाख से अधिक ई-पुस्तकें

कार्यशाला में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं।

कोविड-19 में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को फायदा हुआ

कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	7.5.2021	--	--

नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. कम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया।

मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डाटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।

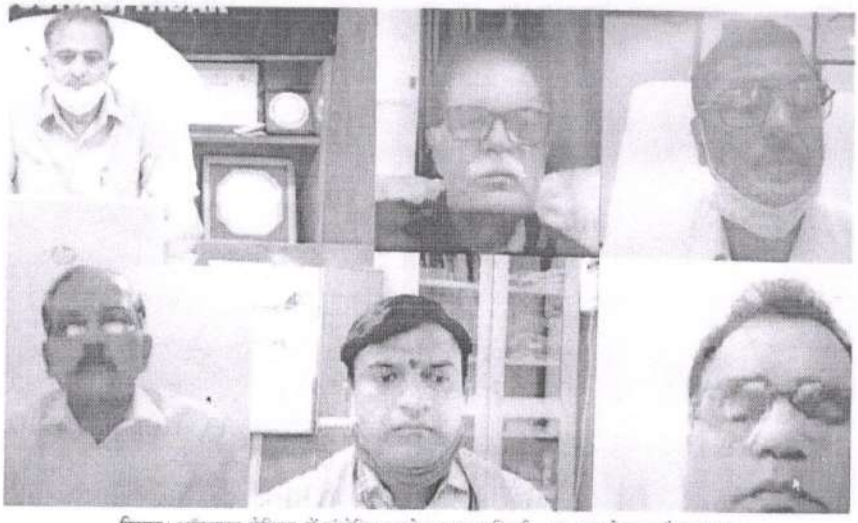

हिसार। ऑनलाइन वेबिनार में संबोधित करते हुए कुलपति बी. आर. कम्बोज व मौजूद अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	7.5.2021	--	--

वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 मई : वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता ओर अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। ई.बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ

अवसर पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मुख्यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.भानु प्रताप ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	8.5.2021	--	--

ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : काम्बोज

● एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

हिसार, राज प्रवाश (पंजाब केसरी) : वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्यन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रानिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वांछित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के वेबिनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषता ओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. भानु प्रताप ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बन्धु	8.5.2021	--	--

वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : काम्बोज

हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता ओर अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर बी.आर. कांबोज ने ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महतवपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई.बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वांछित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनियाभर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के वेबिनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	7.5.2021	--	--

सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया: कुलपति

हिसार/07 मई/रिपोर्टर

वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महतवपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलैक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाईन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वांछित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के वैबीनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस ववैबीनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया।

12

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच दोआबे	7.5.2021	--	--

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज

पांच दोआबे ब्यूरो

हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद है। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना समाधान हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते है। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वांछित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के वेबिनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए।

ई-डाटा बेस में दो लाख से अधिक ई-पुस्तकें मौजूद

कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मुख्यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डाटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल है। वरिष्ठ प्रशिक्षण पर्यवेक्षक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.भानु प्रताप ने किया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 7.5.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....8.....

'9 तक बंद रहेगी हकृवि, किया जाएगा सैनिटाइज'

हिसार, 6 मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रमुख सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 8.5.2021 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.....

नौ तक बंद रहेगी एचएयू
किया जाएगा सैनिटाइज

जासं, हिसार : विश्वविद्यालय को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...अमर उजाला...
दिनांक 8.5.2021 ...पृष्ठ संख्या ...1... कॉलम ...1...

9 मई तक बंद रहेगा हकृवि, होगा सैनिटाइज

हिसार। कोरोना की वजह से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) को 9 मई तक बंद रहेगा। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सैनिटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा। प्रवेश के लिए पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा। यहां भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज कराया जाएगा। कमेटी में कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 8.5.2021...पृष्ठ संख्या.....2.......कॉलम.....1-3.....

कोरोना संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए 9 मई तक बंद रहेगा एचएयू

भास्कर न्यूज़| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे। कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है।

इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	6.5.2021	--	--

बढ़ते संक्रमण के चलते हकृवि 9 मई तक बंद

हिसार/06 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया गया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस. दौरान ऑनलाईन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सैनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू किया जाएगा सेनेटाइज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	8.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

पल पल न्यूज: हिसार, 6 मई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जागरण	6.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टुडे	6.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।